30 सितम्बर, 1988 को हुए राज्य मंत्रियों के सम्मेलन में 15 सूत्री कार्यक्रम के विभिन्न पहलुओं के कार्यान्वयन के लिए राज्य सरकारों तथा केन्द्र शासित प्रदेश प्रशासनों द्वारा समयबद्ध कार्य योजना तैयार करने की आवश्यकता को दोहराया गया था ।

फसल बीमा योजना में हुई प्रगति

471. **श्री मीर्जा ईर्शादबेग** : क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) फसल बीमा योजना के तहत राज्यों और केन्द्र सरकार द्वारा किए जाने वाले भुगतान के संबंध में अद्यतन स्थिति का ब्यौरा क्या है तथा किसानों को उनकी देय राशियों का भुगतान कब तक कर दिये जाने की संभावना है ; और

(ख) इस संबंध में गुजरात सरकार की क्या मांगें हैं, उनकी मांगों को किस हद तक और कब मान लिया गया और बाकी बची मांगों को न माने जाने के क्या कारण हैं ?

कृषि मंत्रालय में कृषि और सहकारिता विभाग में राज्य मंत्री (श्री श्याम लाल यादव) : (क) बृहत फसल बीमा योजना के अन्तर्गत कार्यान्वयन करने वाले सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के प्रतिभूति दावों की अदायगी से सम्बन्धित नवीनतम स्थिति को दर्शाने वाला एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है (**नीचे देखिये**) : जो दावे अभी अदा किए जाने हैं उनमें खरीफ 1987 मौसम के लिए गुजरात का (214.31 करोड़ रुपए) दावा, रबी, 1986-87 मौसम के लिए महाराष्ट्र का (327.56 लाख रुपए) दावा, और रबी 1987-88 मौसम के लिए पश्चिम बंगाल का (8.50 लाख रुपए) दावा, शामिल है । महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल के उपर्युक्त दावों के शीघ्र निपटान के लिए कार्यवाही कर ली गई है । शेष दावों का भुगतान राज्य सरकारों के एक तिहाई शेयर की प्राप्ति के बाद भारतीय साधारण बीमा निगम द्वारा किया जाएगा ।

(ख) बृहत फसल बीमा योजना के अन्तर्गत गुजरात के सभी दावों, खरीफ 1987 मौसम के लिए किए गए दावों को छोड़कर, का भुगतान कर दिया गया है । सरकार ने भी गुजरात के खरीफ, 1987 मौसम के 214.31 करोड़ रुपए के दावे की अदायगी करने की स्वीकृति दे दी है, लेकिन शर्त यह होगी कि दावों के साथ उपयुक्त ऋण एवं बीमाकृत फसलों की खेती सम्बन्धी प्रमाण-पत्र लगे हों । इन दावों का भुगतान करने के लिए भारतीय साधारण बीमा निगम को केन्द्र सरकार के शेयर के रूप में 70 करोड़ रुपये की राशि भी निर्मुक्त कर दी गई है । गुजरात सरकार ने केन्द्र सरकार से अनुरोध किया है कि वे खरीफ, 1987 मौसम से संबंधित दावों की अदायगी के लिए उपर्युक्त प्रमाण-पत्र पर बल न दें । इस पर विचार करने के पश्चात् राज्य सरकार को सूचित किया गया था कि इन दावों की अदायगी में सरकार की वित्त संबंधी भारी जिम्मेदारी को ध्यान में रखते हुए, एहतियाती उपायों के रूप में प्रमाण-पत्र निर्धारित किए गए हैं, ताकि किसी भी गलत दावे की अदायगी करने से बचा जा सके ।

विवरण

(लाख रुपए में)

क्रम सं०	वर्ष	कुल दावे	अदा किए गए दावे	दावे जो अभी अदा किए जाने हैं
1.	1985-86 . .	8702.54	8698.36	4.18
2.	1986-87 . .	17484.92	16181.55	1303.37
3.	1987-88 . .	28947.97	2250.76	26697.21
	कुल :	55,135.43	27,130.67	28004.76